कृषि

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» कृषि का अर्थ (खेती/एग्रीकल्चर)

प्रश्न 1 (आसान). खेती शब्द में कृषि के कौन-कौन से काम शामिल समझे जाते हैं?
उत्तर – मृदा की जुताई, फसल उगाना और पशुपालन।

प्रश्न 2 (आसान). कृषि को 'तंत्र' की तरह क्यों कहा गया है?
उत्तर – क्योंकि इसमें कई जुड़े हुए कदम/क्रियाएँ होती हैं–बीज, उर्वरक, श्रमिक, मशीनरी और जुताई-बुआई-सिंचाई आदि।

प्रश्न 3 (मध्यम). अगर किसान ने जुताई-बुआई तो कर दी, लेकिन सिंचाई और निराई नहीं की, तो क्या कृषि की प्रक्रिया पूरी होगी? समझाइए।
उत्तर – नहीं। सिंचाई और निराई फसल के ठीक से बढ़ने के लिए जरूरी क्रियाएँ हैं, इसलिए कृषि की प्रक्रिया अधूरी रहेगी।

प्रश्न 4 (कठिन). कृषि में 'महत्वपूर्ण निवेश' के रूप में किन चीजों का उल्लेख है, और ये काम क्यों कराते हैं?
उत्तर – बीज, उर्वरक, मशीनरी और श्रमिक–ये फसल उत्पादन और खेत की विभिन्न क्रियाओं को संभव बनाते हैं; बीज से फसल की शुरुआत, उर्वरक से पोषण, मशीनरी से काम की गति/गुणवत्ता, और श्रमिक से मेहनत व संचालन।

» कृषि को प्राथमिक आर्थिक क्रिया के रूप में समझना

प्रश्न 5 (आसान). किस खेत-कार्य को प्राथमिक मानेंगे: जुताई-बुआई या आटा पीसना?
उत्तर – जुताई-बुआई

प्रश्न 6 (आसान). किस काम में सेवाएँ ज्यादा होती हैं–खेती कराना या ट्रांसपोर्ट/बिक्री?
उत्तर – ट्रांसपोर्ट/बिक्री

प्रश्न 7 (मध्यम). दूध उत्पादन (गाय/भैंस से) को प्राथमिक क्यों माना जाता है? 1 कारण लिखिए।
उत्तर – क्योंकि यह प्रकृति/पशुधन से संसाधन का उत्पादन (उत्पत्ति) करता है, इसलिए यह प्राथमिक है।

प्रश्न 8 (कठिन). अगर कोई व्यक्ति खेत से कच्चे फल लाकर पैक करके दुकान तक पहुँचाता है, तो वह किस श्रेणी में आएगा–प्राथमिक, द्वितीयक या तृतीयक? और बाकी दोनों के संकेत भी लिखो।
उत्तर – यह तृतीयक होगा क्योंकि मुख्य काम परिवहन/व्यापार/वितरण (सेवा) है। प्राथमिक: खेत में फल/फसल उगाना; द्वितीयक: जूस/जैम बनाना जैसे प्रसंस्करण।

» कृषि एक तंत्र (system): निवेश और प्रक्रियाएँ

प्रश्न 9 (आसान). कृषि तंत्र में "निवेश" (inputs) के दो उदाहरण लिखो।
उत्तर – बीज और उर्वरक (कोई भी दो: मशीनरी, श्रमिक भी लिख सकते हैं)।

प्रश्न 10 (आसान). कृषि की मुख्य प्रक्रियाओं में से एक प्रक्रिया बताओ।
उत्तर – जुताई (या बुआई/सिंचाई/निराई/कटाई)।

प्रश्न 11 (मध्यम). अगर निराई समय पर न हो, तो तंत्र के हिसाब से उत्पादन पर क्या असर होगा?
उत्तर – खरपतवार बढ़ेंगे, पौधों को पानी-खाना कम मिलेगा, पौधे कमजोर होंगे और अंत में कटाई के समय उत्पादन कम हो सकता है।

प्रश्न 12 (कठिन). कृषि तंत्र में निवेश और प्रक्रियाएँ किस तरह आउटपुट (फसल/उत्पाद) को प्रभावित करती हैं? 4-5 लाइनों में समझाओ।

उत्तर – कृषि तंत्र में इनपुट जैसे बीज, उर्वरक, मशीनरी और श्रमिक तय करते हैं कि खेत में काम कितना सही होगा। जुताई, बुआई, सिंचाई, निराई, कटाई जैसी प्रक्रियाएँ सही क्रम और सही समय पर हों तो पौधों को सही नमी-पोषण मिलती है। इस तरह फसल की गुणवत्ता और मात्रा बेहतर होती है। पशुपालन जुड़ा हो तो ऊन, डेरी आदि जैसे उत्पाद भी मिलते हैं, जो प्रक्रियाओं पर निर्भर होते हैं।

» उपजाऊ भू-दृश्य के कारक: स्थलाकृति, मृदा और जलवायु

प्रश्न 13 (आसान). स्थलाकृति (topography) से कृषि में क्या समझते हैं?

उत्तर – ज़मीन का ढाल/आकृति–मैदान या ऊँचाई-ढाल जैसी बनावट।

प्रश्न 14 (आसान). मृदा (soil) उपजाऊ क्यों बनती है?

उत्तर – उसमें पोषक तत्व हों और पानी/हवा के लिए अनुकूल संरचना हो।

प्रश्न 15 (मध्यम). अगर किसी क्षेत्र में बहुत ज्यादा ढाल हो, तो कृषि पर क्या असर पड़ सकता है?

उत्तर – पानी बह सकता है, कटाव (soil erosion) बढ़ सकता है, और पैदावार घट सकती है।

प्रश्न 16 (कठिन). किसी एक फसल की जरूरत (जैसे चावल को ज्यादा पानी/आर्द्रता) और तीन कारकों (स्थलाकृति, मृदा, जलवायु) का संबंध समझाइए।

उत्तर – चावल को अनुकूल जलवायु (उच्च तापमान/आर्द्रता/बारिश) चाहिए। फिर उपज के लिए मृदा में नमी और पोषक रुकें और स्थलाकृति ऐसी हो कि पानी टिक सके व मिट्टी न बहे। तीनों के मेल से फसल सफल होती है, वरना फसल को नुकसान/कम उत्पादन हो सकता है।

» कृषि के प्रकार: निर्वाह और वाणिज्यिक

प्रश्न 17 (आसान). यदि फसल मुख्य रूप से घर की जरूरत पूरी करने के लिए उगाई जाए तो वह किस कृषि प्रकार की होगी?

उत्तर – निर्वाह कृषि

प्रश्न 18 (आसान). मंडी में बेचने के लिए फसल और पशुपालन किया जाए तो वह किस कृषि प्रकार की होगी?

उत्तर – वाणिज्यिक कृषि

प्रश्न 19 (मध्यम). किस कृषि में आमतौर पर कम उपज और निम्न स्तर की तकनीक का उपयोग होता है?

उत्तर – निर्वाह कृषि में

प्रश्न 20 (कठिन). एक क्षेत्र में तकनीक बहुत बेहतर है, मशीनें चलती हैं और उत्पादन बढ़िया है। फिर भी किसान कहता है कि मैं सब घर के लिए ही रखूँगा, बेचूँगा नहीं। क्या यह वाणिज्यिक ही होगा? सही प्रकार लिखिए और कारण भी बताइए।

उत्तर – यह वाणिज्यिक नहीं होगा; यह निर्वाह ही माना जाएगा क्योंकि मुख्य आधार उद्देश्य है–घर के लिए उत्पादन, बाजार के लिए बिक्री नहीं।

» निर्वाह कृषि: गहन और आदिम

प्रश्न 21 (आसान). परिवार की जरूरतें पूरी करने के लिए की जाने वाली खेती को क्या कहते हैं?

उत्तर – निर्वाह कृषि

प्रश्न 22 (आसान). गहन निर्वाह कृषि में किसान सामान्यतः क्या करता है–छोटे भूखंड पर या बड़े मैदान पर?

उत्तर – छोटे भूखंड पर

प्रश्न 23 (मध्यम). आदिम निर्वाह कृषि में 'स्थानांतरी कृषि' का मतलब क्या है?
उत्तर – खेती के लिए जगह बदलते जाना, मिट्टी की उर्वरता घटने पर नई जगह पर जाना

प्रश्न 24 (कठिन). चलवासी पशुचारण किस प्रकार की आवश्यकता पूरी करता है? (निर्वाह के संदर्भ में)
उत्तर – पशुओं से मिलने वाले दूध, मांस, ऊन, खाल आदि को लेकर परिवार की जरूरतें पूरी करता है

» स्थानांतरी कृषि और चलवासी पशुचारण

प्रश्न 25 (आसान). स्थानांतरी कृषि में जगह क्यों छोड़ी जाती है?
उत्तर – मिट्टी की उर्वरता समाप्त होने के बाद।

प्रश्न 26 (आसान). चलवासी पशुचारण में पशुचारक स्थान क्यों बदलते हैं?
उत्तर – चारा और पानी के लिए।

प्रश्न 27 (मध्यम). 'काटकर और जलाकर' भूमि तैयार करने वाली प्रक्रिया किस कृषि से जुड़ी है–स्थानांतरी या पशुचारण?
उत्तर – स्थानांतरी कृषि से।

प्रश्न 28 (कठिन). निश्चित मार्गों से घूमना किस कारण से होता है? केवल 'कहीं भी घूमना' क्यों नहीं?
उत्तर – जलवायविक बाधाओं (जैसे सूखा/कम बारिश) और भूभाग की स्थितियों के कारण; इसलिए चारा-पानी उपलब्ध होने वाले निश्चित रास्ते अपनाए जाते हैं।

» वाणिज्यिक कृषि और इसके प्रकार (अनाज/मिश्रित/रोपण)

प्रश्न 29 (आसान). वाणिज्यिक कृषि का मुख्य उद्देश्य क्या होता है?
उत्तर – फसल उत्पादन और पशुपालन को बाजार में विक्रय (बेचने) हेतु करना।

प्रश्न 30 (आसान). वाणिज्यिक अनाज कृषि में आम तौर पर कौन-सी फसलें उगाई जाती हैं?
उत्तर – गेहूँ और मक्का जैसी अनाज फसलें।

प्रश्न 31 (मध्यम). मिश्रित कृषि में भूमि का उपयोग किस लिए किया जाता है?
उत्तर – भोजन व चारे की फसलें उगाने और पशुधन पालन के लिए।

प्रश्न 32 (कठिन). किसी इलाके में उष्ण कटिबंधीय क्षेत्र में बड़ी पूँजी से एकल फसल (जैसे रबड़/चाय) का बागान है और प्रसंस्करण पास के कारखानों में होता है। यह किस प्रकार की वाणिज्यिक कृषि है और क्यों?
उत्तर – यह रोपण कृषि है, क्योंकि इसमें उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में एकल फसल का बागान (चाय/रबड़ आदि) होता है, श्रम व पूँजी ज्यादा लगती है, और प्रसंस्करण खेत पर या निकट कारखानों में किया जा सकता है।

» फसलों की जलवायु-मृदा आवश्यकताएँ (उदाहरणों सहित)

प्रश्न 33 (आसान). किस फसल को अधिक आर्द्रता और वर्षा की आवश्यकता होती है?
उत्तर – चावल

प्रश्न 34 (आसान). गेहूँ की कटाई के समय तेज धूप की आवश्यकता क्यों मानी गई है (किस कारण हेतु संकेत)?
उत्तर – कटाई के समय तेज धूप ताकि फसल/दाने ठीक से सूखें

प्रश्न 35 (मध्यम). कम वर्षा, उच्च से मध्यम तापमान और पर्याप्त सूर्य प्रकाश किन फसलों की विशेषता है? (उदाहरण सहित)
उत्तर – मिलेट/ज्वार-बाजरा-रागी

प्रश्न 36 (मध्यम). कपास को किस तरह की मिट्टी में सर्वश्रेष्ठ बताया गया है?
उत्तर – काली और जलोढ़ मिट्टी

प्रश्न 37 (कठिन). एक जगह ठंडी जलवायु, वर्ष भर अधिक वर्षा, सु-अपवाहित दुमट और मंद ढाल है–इस जगह कौन-सी पेय फसल सबसे उपयुक्त होगी? तर्क भी लिखो।

उत्तर – चाय। क्योंकि चाय के लिए ठंडी जलवायु और वर्ष भर उच्च वर्षा चाहिए तथा सु-अपवाहित दुमट मिट्टी और मंद ढाल की आवश्यकता होती है।

» कृषि विकास: उत्पादन बढ़ाने की रणनीतियाँ और खाद्य सुरक्षा

प्रश्न 38 (आसान). खाद्य सुरक्षा बढ़ाने में कृषि विकास का लक्ष्य क्या है?

उत्तर – बढ़ती जनसंख्या की मांग के अनुसार खाद्य/अनाज का पर्याप्त उत्पादन कराना।

प्रश्न 39 (आसान). उत्पादन बढ़ाने की एक रणनीति लिखो।

उत्तर – सिंचाई सुधार (या उर्वरक, उच्च उपज बीज, मशीनीकरण, क्षेत्र विस्तार)।

प्रश्न 40 (मध्यम). अगर किसी क्षेत्र में वर्षा कम है, तो कृषि विकास के लिए सबसे जरूरी रणनीति कौन-सी होगी और क्यों?

उत्तर – सिंचाई सुधार, क्योंकि पानी समय पर नहीं मिलेगा तो फसल की वृद्धि रुक जाएगी और उत्पादन घटेगा।

प्रश्न 41 (कठिन). कृषि विकास की रणनीतियों में उर्वरक और उच्च उपज बीज का 'साथ' क्यों जरूरी है? सिर्फ एक से काम क्यों नहीं चलता?

उत्तर – उच्च उपज बीज क्षमता देता है, लेकिन अगर मिट्टी में पोषक तत्व कम हों तो पौधे कमजोर रहेंगे। उर्वरक पोषक तत्व बढ़ाकर उस क्षमता को पूरा उपयोग में लाता है–इसलिए दोनों साथ जरूरी हैं।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. एक किसान ने सिर्फ बीज बोया है और बाकी काम–जुताई, सिंचाई, निराई, कटाई–नहीं किया। क्या यह कृषि/खेती कहलाएगी, और क्यों?

› देखो कृषि की परिभाषा में मृदा की जुताई और फसलों को उगाना शामिल है।
› जुताई, बुआई के बाद सिंचाई और निराई की जरूरत होती है ताकि फसल ठीक से बढ़े।
› कटाई के बिना फसल का उत्पादन पूरा नहीं माना जाता।
› इसलिए केवल बीज बोना 'कृषि की पूरी प्रक्रिया' नहीं है।

उत्तर – नहीं। सिर्फ बीज बोना कृषि/खेती का पूरा हिस्सा नहीं है; कृषि में जुताई, सिंचाई, निराई और कटाई जैसी प्रक्रियाएँ भी जरूरी होती हैं।

उदाहरण 2. गाँव में किए गए 3 काम दिए हैं: (1) खेत में सब्ज़ियाँ उगाना, (2) सब्ज़ियों से अचार/सॉस बनाना, (3) सब्ज़ियाँ शहर के बाजार में बेचने के लिए ले जाना। इन्हें प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक में सही क्रम/वर्ग में लिखिए।

› काम 1 देखें–यह प्रकृति से उत्पादन (उगाना) है, इसलिए प्राथमिक
› काम 2 देखें–यह संसाधन को बदलकर प्रसंस्करण करके नई चीज़ बनाता है, इसलिए द्वितीयक
› काम 3 देखें–यह ले जाना/बेचना जैसी सेवाओं से जुड़ा है, इसलिए तृतीयक

उत्तर – 1) प्राथमिक (2) द्वितीयक (3) तृतीयक

उदाहरण 3. मान लो किसी किसान के पास बीज तो है, लेकिन उर्वरक और सिंचाई कम मात्रा में उपलब्ध होती है। कृषि को तंत्र मानकर बताओ–कौन-से निवेश/प्रक्रियाएँ प्रभावित होंगी और आउटपुट पर क्या असर पड़ेगा?

› इनपुट देखें: उर्वरक कम होगा, और सिंचाई के लिए पानी/सुविधा भी कम होगी।
› प्रक्रिया देखें: बुआई तो होगी, पर पौधों को सही पोषण नहीं मिलेगा और पर्याप्त नमी भी नहीं बनी रहेगी।
› नतीजा: पौधे कमजोर होंगे, खरपतवार से मुकाबला भी घटेगा, और अंत में कटाई के समय उत्पादन कम आएगा।
› कृषि तंत्र का निष्कर्ष: निवेश और प्रक्रियाएँ जितनी सही होंगी, आउटपुट उतना बेहतर होगा।

उत्तर – उर्वरक (निवेश) और सिंचाई (प्रक्रिया) प्रभावित होंगे। इससे पौधे कमजोर पड़ेंगे, फसल का उत्पादन घटेगा–यानी आउटपुट कम होगा।

उदाहरण 4. मान लो तुम्हारे क्षेत्र के दो गाँव हैं। गाँव A में मैदान है, जलोढ़ जैसी मिट्टी है और मानसूनी वर्षा समय पर होती है। गाँव B में ज़्यादा ढाल है, मिट्टी पतली/कम उर्वर है और बारिश अनिश्चित है। बताओ–किस गाँव में चावल जैसी फसल की संभावना ज्यादा रहेगी और क्यों?

› चावल जैसी फसल को उच्च आर्द्रता/बारिश की जरूरत होती है–जलवायु का कारक देखें।
› वर्षा समय पर होने से पानी का स्तर और नमी बनी रहती है–यह गाँव A में बेहतर है।
› मृदा उर्वर हो तो जड़ों को पोषण मिलता है; जलोढ़ मिट्टी में नमी/पोषक रुकते हैं–गाँव A में बेहतर।
› स्थलाकृति में बहुत ढाल हो तो मिट्टी बह सकती है और पानी टिक नहीं पाता–गाँव B में समस्या।
› इन तीनों कारणों से गाँव A में फसल-उत्पादन ज्यादा अनुकूल होगा।

उत्तर – गाँव A में चावल जैसी फसल की संभावना ज्यादा रहेगी, क्योंकि वहाँ (1) जलवायु में सही समय पर वर्षा/आर्द्रता मिलती है, (2) मृदा अधिक उपजाऊ/नमी-धारण करने वाली होती है, और (3) स्थलाकृति अपेक्षाकृत मैदान होने से पानी और मिट्टी का नुकसान कम होता है।

उदाहरण 5. मान लीजिए एक किसान के पास छोटा खेत है। वह पारिवारिक श्रम से कम उपज वाली फसल उगाता है ताकि घर का खाना चलता रहे। दूसरा किसान बड़े क्षेत्र में मशीनों और ज्यादा पूँजी के साथ फसल उगाकर मंडी में बेचता है। दोनों में बताइए: पहले की कृषि निर्वाह है या वाणिज्यिक, और दूसरे की।

› पहले केस में देखें उद्देश्य: घर की जरूरतें–"परिवार" के लिए उत्पादन है, बिक्री के लिए नहीं। इसलिए यह निर्वाह कृषि है।
› पहले केस में तकनीक/श्रम: पारिवारिक श्रम, कम उपज–निर्वाह के लक्षणों से मेल खाता है।
› दूसरे केस में देखें उद्देश्य: बाजार में बिक्री और लाभ–इसलिए वाणिज्यिक कृषि है।
› दूसरे केस में पूँजी/तकनीक: बड़े क्षेत्र, ज्यादा पूँजी, मशीनें–वाणिज्यिक कृषि के लक्षणों से मेल खाता है।

उत्तर – पहला किसान: निर्वाह कृषि। दूसरा किसान: वाणिज्यिक कृषि।

उदाहरण 6. एक गाँव में मोहन का परिवार 2 एकड़ जमीन पर कुदाल/हल जैसे साधारण औजारों से खेती करता है। मानसून के दौरान एक साल में दो फसलें (चावल और गेहूँ) बोयी जाती हैं। उत्पादन का अधिकांश हिस्सा घर में खाने के लिए रहता है। यह किस प्रकार की निर्वाह कृषि होगी–गहन या आदिम?

› देखो उद्देश्य: परिवार की जरूरतें पूरी करना–ये निर्वाह कृषि है
› देखो जमीन: छोटा भूखंड (कम जमीन)
› देखो श्रम और तकनीक: साधारण औजार, अधिक पारिवारिक श्रम
› देखो फसल: मानसून से एक साल में एक से अधिक फसलें
› अब विकल्प मिलाओ: ये संकेत गहन निर्वाह कृषि से मेल खाते हैं

उत्तर – यह गहन निर्वाह कृषि है।

उदाहरण 7. एक समुदाय जंगली जगह में पेड़ काटकर आग लगाता है, राख मिट्टी में मिलाकर 2-3 साल मक्का-आलू जैसी फसल उगाता है। बाद में मिट्टी की उर्वरता कम होने पर वे नई जमीन पर चले जाते हैं। बताइए यह किस प्रकार की कृषि है और कारण क्या है?

› जाँचना कि क्या पेड़ काटकर और जलाकर जमीन साफ की जा रही है (कर्तन एवं दहन)
› देखना कि क्या कुछ समय खेती के बाद मिट्टी की उर्वरता कम होने पर जमीन छोड़ दी जा रही है
› फसलों का स्वरूप देखना: मक्का, आलू आदि स्थानांतरी कृषि में मिलते हैं
› निष्कर्ष निकालना: जगह बदलना मिट्टी की उर्वरता कम होने से जुड़ा है

उत्तर – यह स्थानांतरी कृषि है। कारण यह है कि 'कर्तन एवं दहन' से भूमि तैयार करके कुछ समय खेती की जाती है, फिर मिट्टी की उर्वरता घटने पर भूमि छोड़कर किसान नई जगह पर चला जाता है।

उदाहरण 8. एक क्षेत्र में किसान लोग एक ही तरह का बागान चलाते हैं और वहाँ मुख्य रूप से चाय/कहवा जैसी फसल लगती है। श्रम और पूँजी ज्यादा लगती है, और निकट कारखाने में प्रसंस्करण होता है। बताइए यह किस प्रकार की वाणिज्यिक कृषि है?

› देखो उद्देश्य: उत्पादन बाजार के लिए है (यह वाणिज्यिक कृषि का संकेत है)

› देखो फसल का स्वरूप: चाय/कहवा जैसी एकल फसल का बड़ा बागान

› देखो जरूरतें: श्रम और पूँजी ज्यादा

› देखो प्रक्रिया: खेत पर या निकट कारखाने में प्रसंस्करण

उत्तर – यह रोपण कृषि (Plantation) है।

उदाहरण 9. एक किसान को सलाह देनी है: किस फसल के लिए कौन-सी मिट्टी बेहतर होगी–(A) भारी वर्षा और आर्द्र जलवायु वाली जगह में जलोढ़ मिट्टी, (B) मध्यम तापमान, कटाई के समय तेज धूप, और सु-अपवाहित दुमट मिट्टी। बताओ कौन-सी फसलें उपयुक्त होंगी।

› A में शर्तें देखें: भारी वर्षा + आर्द्रता + जलोढ़ मिट्टी जो विकसित कर सके। किताब के अनुसार पटसन 'जलोढ़ में विकसित' और 'उच्च तापमान, भारी वर्षा, आर्द्र जलवायु' में अच्छा होता है। इसलिए A = पटसन।

› B में शर्तें देखें: वर्धनकाल में मध्यम तापमान/वर्षा और कटाई में तेज धूप + सु-अपवाहित दुमट। किताब के अनुसार गेहूँ 'कटाई में तेज धूप' और 'सु-अपवाहित दुमट' में सर्वोत्तम होता है। इसलिए B = गेहूँ।

उत्तर – A: पटसन, B: गेहूँ

उदाहरण 10. एक गाँव में जनसंख्या बढ़ रही है। वहाँ गेहूँ उत्पादन बढ़ाने के लिए 4 उपाय अपनाए जाते हैं: (i) सिंचाई व्यवस्था सुधारी जाती है, (ii) उर्वरक डाले जाते हैं, (iii) उच्च उपज बीज इस्तेमाल होता है, (iv) कटाई के लिए मशीन (मशीनीकरण) लाया जाता है। इन उपायों को 'कृषि विकास: उत्पादन बढ़ाने की रणनीतियाँ' की श्रेणी में वर्गीकृत करो और बताओ इनका लक्ष्य खाद्य सुरक्षा कैसे बनेगा।

› उपाय (i) को सिंचाई सुधार के रूप में लिखो–पानी समय पर, पौधों की वृद्धि बेहतर

› उपाय (ii) को उर्वरक के रूप में लिखो–मिट्टी के पोषक तत्व बढ़ते हैं

› उपाय (iii) को उच्च उपज बीज के रूप में लिखो–एक ही खेत से ज्यादा उत्पादन की क्षमता

› उपाय (iv) को मशीनीकरण के रूप में लिखो–कटाई/समय/नुकसान कम

› फिर जोड़ो: इनसे production बढ़ेगा, supply बढ़ेगी, और खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी

उत्तर – ये चारों उपाय कृषि विकास की रणनीतियाँ हैं: सिंचाई सुधार, उर्वरक, उच्च उपज बीज और मशीनीकरण। इनसे गेहूँ का उत्पादन और गुणवत्ता बढ़ेगी, इसलिए बाजार में अनाज की उपलब्धता बढ़ेगी–यही खाद्य सुरक्षा (Food security) को मजबूत करता है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

- परिभाषा याद रखें: जुताई, फसल उगाना, पशुपालन–तीनों लिखिए।
- बोर्ड में अक्सर वर्गीकरण पूछा जाता है–हर काम का 'मुख्य काम' पहचानकर प्राथमिक/द्वितीयक/तृतीयक लिखो।
- 4 निवेश + 5 प्रक्रियाएँ लिखकर, अंत में Output (फसल व अन्य उत्पाद) जोड़ो–पूरे अंक मिलते हैं।
- उत्तर में 3 कारक लिखो–स्थलाकृति, मृदा, जलवायु–और हर एक का असर 1-1 लाइन में।
- बोर्ड परीक्षा में 'उद्देश्य' लिखकर प्रकार पहचानो–फसल का नाम नहीं।
- गहन = सघन/कई फसल; आदिम = स्थानांतरी/चलवासी–फर्क उद्देश्य के बाद 'तरीके' में पूछते हैं।
- MCQ/उत्तर में 2 पॉइंट लिखो: 'कर्तन एवं दहन' = स्थानांतरी; 'नश्चिति मार्ग' = चलवासी पशुचारण।
- बोर्ड में तीनों प्रकार के 'फसल/काम' का अंतर लिखकर उत्तर दो–अनाज, मिश्रित, रोपण।
- फसल का नाम याद करते समय साथ में 1-1 जलवायु शर्त और 1 मिट्टी शर्त भी लिखो।

- उत्तर में ‘रणनीतियाँ + लक्ष्य (food security)’ ज़रूर लिखो।

एक नज़र में रिवीज़न

› - कृषि = जुताई + फसल + पशुपालन (पूरी प्रक्रिया)
› प्राथमिक=उगाना/निकालना; द्वितीयक=प्रसंस्करण; तृतीयक=सेवा
› - Inputs: बीज-उर्वरक-मशीनरी-श्रमिक; Processes: जुताई-बुआई-सिंचाई-निराई-कटाई
› - स्थलाकृति + मृदा + जलवायु = उपजाऊ भू-दृश्य
› - उद्देश्य: घर के लिए = निर्वाह, बिक्री = वाणिज्यिक
› - गहन: छोटा भूखंड, अधिक श्रम, कई फसलें; आदिम: जगह बदलना/घूमना
› काटो-जालो-उगाओ-छोड़ो; पशु साथ–रास्ता पक्का।
› - अनाज: गेहूँ-मक्का, मिश्रित: फसल+पशु, रोपण: एकल बागान
› - चावल: पानी रोकने वाली मिट्टी + ज्यादा नमी/वर्षा
› रणनीति: Area-Irrigation-Crops-Fertilisers/Seeds-Mechanisation